

उत्तराखण्ड शासन,
शहरी विकास विभाग,
संख्या: ४४३/IV-2007-01(83)/2007
दिनांक २३ अक्टूबर, 2007
अधिसूचना

चूंकि, उत्तराखण्ड (नाम परिवर्तन) अधिनियम, 2006 की धारा 6 के अधीन उत्तराखण्ड शासन, उत्तराखण्ड राज्य के सम्बन्ध में लागू विधि को, आदेश द्वारा, निरसन अथवा संशोधन के रूप में ऐसे अनुकूलन तथा उपान्तरण कर सकता है, जो आवश्यक व समीचीन हों ;

तथा चूंकि, उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश पालिका (केन्द्रीयता) सेवा, सेवा निवृति लाभ नियमावली, 1981) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002, उत्तर प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2000 की धारा 86/87 के अधीन उत्तराखण्ड राज्य में लागू है ;

अतः अब, उत्तराखण्ड (नाम परिवर्तन) अधिनियम, 2006 (अधिनियम सं0 52 वर्ष 2006) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शब्दित का प्रयोग करके राज्यपाल, उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश नगर पालिका (केन्द्रीयता) सेवा, सेवानिवृति लाभ नियमावली, 1981) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 को उत्तराखण्ड राज्य में निम्नलिखित प्राविधानों के अध्यादीन लागू रखने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश नगर पालिका (केन्द्रीयता) सेवा, सेवानिवृति लाभ नियमावली, 1981) (अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2007

संक्षिप्त शीर्षक एवं प्राप्तम् -

1. (1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश नगर पालिका (केन्द्रीयता) सेवा, सेवानिवृति लाभ नियमावली, 1981) (अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश 2007 है।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

उत्तराखण्ड के स्थान पर "उत्तराखण्ड" पढ़ा जाना -

2. उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश नगर पालिका (केन्द्रीयता) सेवा, सेवानिवृति लाभ नियमावली, 1981) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 में जहाँ जहाँ शब्द उत्तराखण्ड आया है, वहाँ वहाँ वह शब्द "उत्तराखण्ड" पढ़ा जायेगा।

आज्ञा से,

(शनुधन सिंह)
सचिव।

संख्या: ४४३०७ IV-2007 तददिनांक, २३/१०/०७

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- मण्डलायुक्त, गढ़वाल / कुमाऊँ भण्डल, पौड़ी / नैनीताल।
- 2- निदेशक, शहरी विकास निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 3- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 4- प्रभारी, एनोआईसी०, सचिवालय, देहरादून।
- 5- निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, रुड़की की अग्रेजी उपान्तरण राहित इस आशय से प्रेषित कि उक्त अधिसूचना को आगामी अंक में प्रकाशन उपरान्त 25 प्रतिया उपलब्ध कराने हेतु।

आज्ञा से,


(मायावती ढकरियाल)
अनुसंचित।